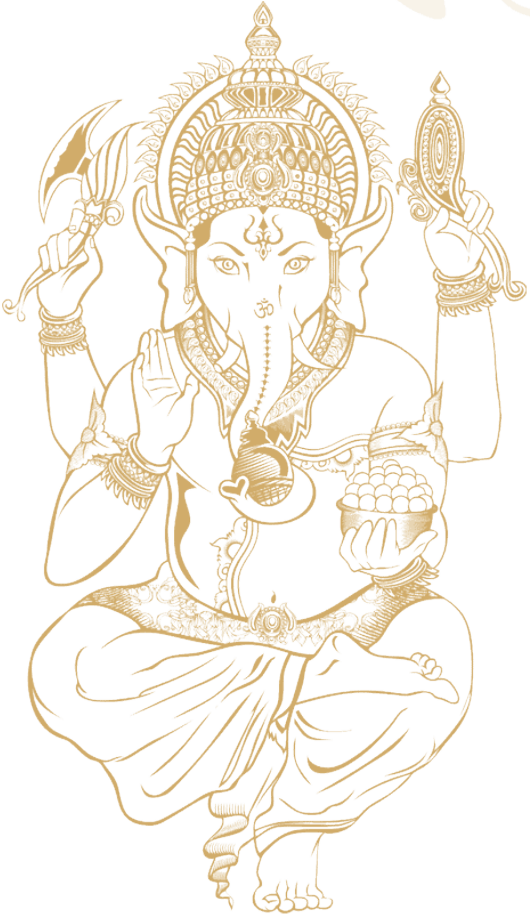

Ayush kumar

01 Jan 2005

01:24 AM

Motihari

Model: web-freekundliweb

Order No: 121934402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31-01/01/2005**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**01:24:00 घंटे**
इष्ट	46:52:50 घटी
स्थान	**Motihari**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:40:00 उत्तर
रेखांश	84:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:33:40 घंटे
वेलान्तर	-00:03:05 घंटे
साम्पातिक काल	08:15:58 घंटे
सूर्योदय	06:38:51 घंटे
सूर्यास्त	17:08:14 घंटे
दिनमान	10:29:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:34:02 धनु
लग्न के अंश	06:16:41 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	आयुष्मान
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:16:41	316:30:54	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			धनु	16:34:02	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	13:17:46	12:07:20	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	10:18:26	00:41:19	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध			वृश्चि	24:17:11	01:06:33	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
गुरु			कन्या	23:20:48	00:05:44	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	24:57:42	01:15:05	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
शनि	व		कर्क	01:01:08	00:04:42	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	05:00:50	00:06:26	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	05:00:50	00:06:26	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
हर्ष			कुंभ	09:58:48	00:02:22	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	19:54:58	00:01:58	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	28:47:35	00:02:11	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			कर्क	07:49:06	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:29

लग्न-चलित

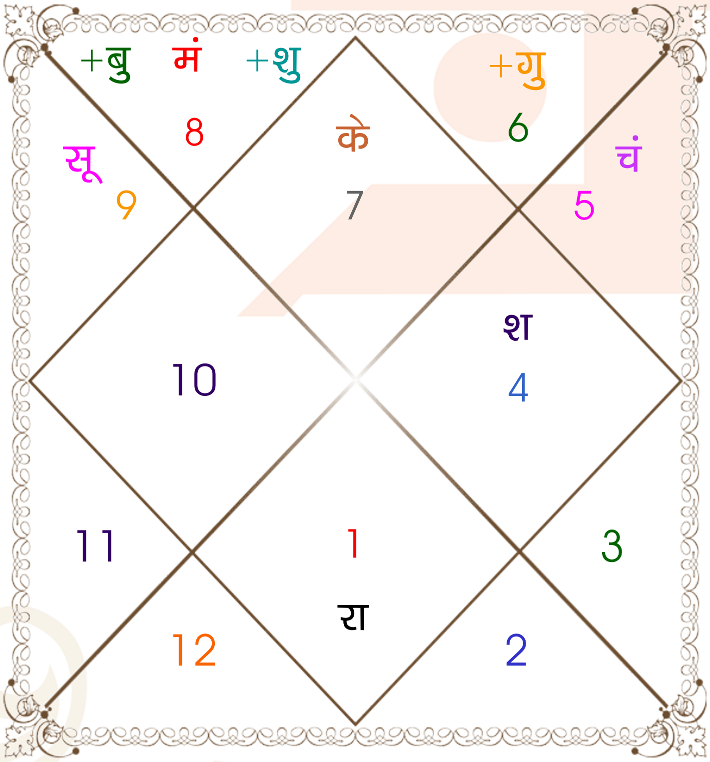

चन्द्र कुंडली

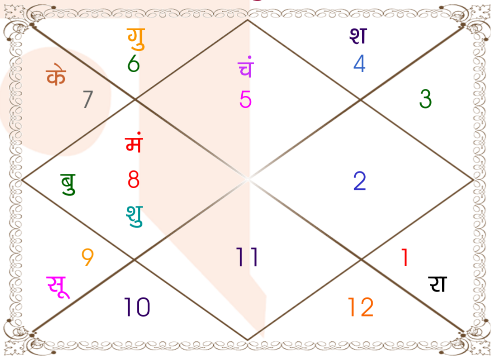

नवमांश कुंडली

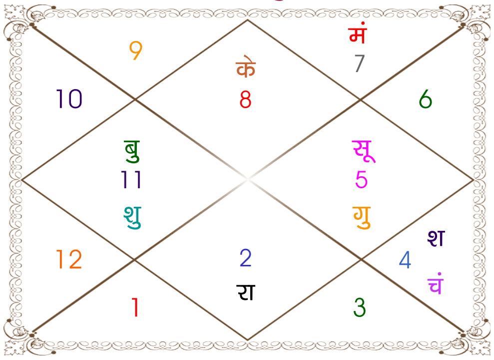

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 0 मास 7 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/01/2005		08/01/2005		08/01/2025		08/01/2031		08/01/2041	
08/01/2005		08/01/2025		08/01/2031		08/01/2041		08/01/2048	
	00/00/0000	शुक्र	09/05/2008	सूर्य	27/04/2025	चंद्र	09/11/2031	मंगल	06/06/2041
	00/00/0000	सूर्य	09/05/2009	चंद्र	27/10/2025	मंगल	09/06/2032	राहु	24/06/2042
	00/00/0000	चंद्र	08/01/2011	मंगल	04/03/2026	राहु	08/12/2033	गुरु	31/05/2043
	00/00/0000	मंगल	09/03/2012	राहु	26/01/2027	गुरु	09/04/2035	शनि	09/07/2044
	00/00/0000	राहु	10/03/2015	गुरु	15/11/2027	शनि	08/11/2036	बुध	06/07/2045
	00/00/0000	गुरु	08/11/2017	शनि	27/10/2028	बुध	09/04/2038	केतु	02/12/2045
	00/00/0000	शनि	08/01/2021	बुध	02/09/2029	केतु	08/11/2038	शुक्र	02/02/2047
	01/01/2005	बुध	09/11/2023	केतु	08/01/2030	शुक्र	09/07/2040	सूर्य	09/06/2047
बुध	08/01/2005	केतु	08/01/2025	शुक्र	08/01/2031	सूर्य	08/01/2041	चंद्र	08/01/2048

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
08/01/2048		08/01/2066		08/01/2082		09/01/2101		09/01/2118	
08/01/2066		08/01/2082		09/01/2101		09/01/2118		02/01/2125	
राहु	21/09/2050	गुरु	26/02/2068	शनि	11/01/2085	बुध	07/06/2103	केतु	07/06/2118
गुरु	13/02/2053	शनि	08/09/2070	बुध	21/09/2087	केतु	04/06/2104	शुक्र	07/08/2119
शनि	21/12/2055	बुध	14/12/2072	केतु	30/10/2088	शुक्र	04/04/2107	सूर्य	13/12/2119
बुध	10/07/2058	केतु	20/11/2073	शुक्र	30/12/2091	सूर्य	09/02/2108	चंद्र	13/07/2120
केतु	28/07/2059	शुक्र	21/07/2076	सूर्य	11/12/2092	चंद्र	10/07/2109	मंगल	09/12/2120
शुक्र	28/07/2062	सूर्य	09/05/2077	चंद्र	13/07/2094	मंगल	08/07/2110	राहु	28/12/2121
सूर्य	22/06/2063	चंद्र	08/09/2078	मंगल	21/08/2095	राहु	24/01/2113	गुरु	04/12/2122
चंद्र	20/12/2064	मंगल	15/08/2079	राहु	27/06/2098	गुरु	02/05/2115	शनि	12/01/2124
मंगल	08/01/2066	राहु	08/01/2082	गुरु	09/01/2101	शनि	09/01/2118	बुध	02/01/2125

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 0 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरुप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रुप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।